दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 196
मुरादाबाद
(Thursday)
05 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

भाजपा की पदयात्राः सीएम योगी बोले- लोकतंत्र में बदला नहीं, बदलाव होता हैः जनता तय करती है अपना फैसला

सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने बदलाव किया और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने अपना फैसला सुनाया। यह बदलाव की ताकत कांग्रेस या समाजवादी पार्टी के पास नहीं, बल्कि जनता के पास है। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में बदला नहीं, बल्कि बदलाव होता है और यह बदलाव जनता अपने मताधिकार से तय करती है।पांचवें राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत वित्तीय वर्ष

दिवाली से पहले नगरीय निकायों को 1201 करोड़ की सौगात, पहले कर्मचारियों के वेतन और बकाया भुगतान के निर्देश



2026-27 के लिए स्वीकृत इस राशि में 545 नगर पंचायतों को 242.81 करोड़ रुपये मिले हैं।

इससे सड़क, सीवर, खड़ंजे और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य कराए जाएंगे।दिवाली से पहले प्रदेश की 762 नगरीय निकायों को विकास कार्यों के लिए 1201.64 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए गए हैं। पांचवें राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्वीकृत इस राशि में 545 नगर पंचायतों को 242.81 करोड़ रुपये मिले हैं। इससे सड़क, सीवर, खड़ंजे और अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्य कराए जाएंगे।

स्थानीय निकाय निदेशालय के निदेशक अनुज कुमार झा के अनुसार, नगर निगमों को 531.78 करोड़, नगर पालिका परिषदों को 427.05 करोड़ और नगर पंचायतों को 242.81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि से निकायों के कार्यरत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वेतन व अन्य देयकों का भुगतान प्राथमिकता से होगा।निदेशालय ने धनराशि मिलने के 15 दिन के भीतर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

इसके बाद बची रकम विकास कार्यों पर खर्च की जा सकेगी। निकायों को खर्च का उपयोगिता प्रमाणपत्र निर्धारित व्यवस्था के तहत देना होगा। सर्वाधिक राशि पाने वाली पांच नगर पंचायतों में बख्शी का तालाब लखनऊ 1.19 करोड़ रुपये मिले हैं। ऐसे ही लखनऊ नगर निगम को सर्वाधिक 81.62 करोड़ रुपये मिले हैं।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में सपा अध्यक्ष का बयान लोगों ने पढ़ा होगा। उनका बयान काफी अजीब था। उन्होंने कहा था कि आने वाली पीढ़ी लाठी की हर चोट और हर जख्म का बदला लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के 'बबुआ' को कोई समझाए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, बदलाव होता है।सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने बदलाव किया और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने अपना फैसला सुनाया। यह बदलाव की ताकत कांग्रेस या समाजवादी पार्टी के पास नहीं, बल्कि जनता के पास है। सीएम ने यह भी कहा पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जितनी सीटें कांग्रेस की आई उससे कहीं अधिक भाजपा 2024 लोकसभा में अकेले ले आई। यही हाल सपा का उत्तर प्रदेश में है।भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा' के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को गोरखपुर पहुंच गए। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। पदयात्रा के जरिए भाजपा गोरखपुर में अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और सहयोगी दलों के प्रमुख शामिल हो रहे हैं।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का यह पहला गोरखपुर दौरा है। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह सर्किट हाउस गए। इसके बाद महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा में पहुंचे। जनसभा के बाद यहीं से पदयात्रा शुरू होगी। जनसभा में राष्ट्रीय महामंत्री एवं यूपी प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप वर्मा, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल भी शामिल हैं। एमपी इंटर कॉलेज से काली मंदिर तक जाएगी पदयात्रा-पदयात्रा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज से शुरू होकर करीब 1200 मीटर की दूरी तय करते हुए गोलघर स्थित काली मंदिर के पास सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तक पहुंचेगी। यहां प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पदयात्रा का समापन होगा। आयोजन में एक लाख कार्यकर्ताओं की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। मार्ग में 18 स्थानों पर पदयात्रा का स्वागत किया जाएगा।

इन्होंने यदुवंशियों और रघुवंशियों दोनों की भावनाएं आहत की हैं, अखिलेश बोले-इनकी यूपी में एंट्री बंद हो



सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण पर विवादित टिप्पणी करने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इनकी यूपी में एंट्री बंद की जाए।भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने नाराजगी जताई है और पंडित धीरेंद्र शास्त्री पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा कि इन्होंने यदुवंशियों और रघुवंशियों दोनों की भावनाएं आहत की हैं। अब इन्हें न ब्रज में प्रवेश मिलेगा, न अवध में। अब न तो कोई सच्चा रघुवंशी इनका स्वागत करेगा, न सच्चा यदुवंशी। उत्तर प्रदेश- मध्य प्रदेश के बार्डर पर इनकी नाकाबंदी का बोर्ड लग जाना चाहिए, जिस पर लिखा हो = 'ईशनिंदा' करनेवालों का उप्र की धर्म-भूमि पर प्रवेश वर्जित है।जिसने धर्म-मज़हब नहीं छोड़ा वो अगली बार सम्प्रदायों पर छींटाकशी करने से बाज़ नहीं आयेगा। समझाने की ज़रूरत नहीं अगला नंबर किस का है। नेपाल बार्डर भी बंद करना पड़ेगा नहीं तो उधर से इधर आना ज़्यादा पास पड़ेगा। लगता है उत्तर प्रदेश में किसी बाहरी के इशारे पर किसी की राजनीतिक-धार्मिक सत्ता को चुनौती देने का काम हो रहा है। आपस की टकराहट में सियासी लोग भगवान को क्यों ला रहे हैं।अखिलेश यादव का बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि 17 नवंबर से प्रतापगढ़ में हाने वाली कथा के लिए धीरेंद्र शास्त्री आने वाले हैं। इस कथा का आयोजन राजा भैया करवा रहे हैं। अखिलेश यादव ने पहले भी इस मुद्दे पर बयान जारी कर नाराजगी जताई है।

संक्षिप्त समाचार

अब दरी नहीं बिछाएगा अब्दुल मध्यावधि चुनाव में अल-सैयद की जीत पर बोले असदुद्दीन ओवैसी

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में मिशिगन से सीनेट जीतने वाले पहले मुस्लिम नेता अब्दुलरहमान मोहम्मद अल-सैयद की जीत पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रतिक्रिया देते हुए यूपी के मुसलमानों को राजनीतिक पहचान मजबूत करने की नसीहत दी है।मध्यावधि चुनाव में मिशिगन से सीनेट चुनाव में डेमोक्रेट उम्मीदवार अब्दुलरहमान मोहम्मद अल-सैयद की जीत की खूब चर्चा हो रही है। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम नेता हैं। उनकी इस ऐतिहासिक जीत पर भारत से भी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने अब्दुल अल-सैयद की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत करने का संदेश दिया है। अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, %एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया। अब उत्तर प्रदेश के अब्दुल को अपनी सियासी पहचान मजबूत करनी होगी। संघियों ने अब्दुल को एक तंज में बदलने की बहुत कोशिश की है। वक्त आ गया है कि हम दिखाएं कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं बिछाएंगे। मध्यावधि चुनाव में मिशिगन में अब्दुल अल-सैयद ने अमेरिकी सीनेट सीट की दौड़ में रिपब्लिकन नेता माइक रोजर्स को शिकस्त दी है।

चुनाव आयोग पर बरसे जयराम रमेशः कहा- फॉर्म-6 पर स्पष्टीकरण शब्दों का खेल, SIR की प्रक्रिया पर तत्काल रोकें



वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत निर्वाचन आयोग के फॉर्म-6 स्पष्टीकरण को शब्दों का खेल बताते हुए कड़ी आलोचना की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की मांग दोहराते हुए कहा कि मौजूदा प्रक्रिया में कई खामियां है, जिसका मकसद मतदाताओं को वोट के अधिकार से वंचित करना है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के फॉर्म-6 पर नवीनतम स्पष्टीकरण की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने इसे शब्दों का खेल बताते हुए कहा कि इससे कुछ भी स्पष्ट नहीं होता। रमेश ने कहा कि इस बयान से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया का खराब डिजाइन उजागर होता है। मंगलवार को कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कहा कि निर्वाचन आयोग नुकसान के भरपाई की भरसक कोशिश में लगा है, लेकिन आयोग का ऐसा हर प्रयास एसआईआर अभ्यास की खामियों को ही उजागर करता है। रमेश ने जोर देकर कहा कि फॉर्म-6 आवेदकों से स्पष्ट रूप से पूछता है कि क्या वे पहली बार मतदाता सूची में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे हैं। जयराम रमेश के अनुसार, ईसीआई का यह स्पष्टीकरण कि एसआईआर के दौरान दोबारा शामिल होने वाले मतदाताओं को भी पहली बार के आवेदक माना जा सकता है, एक भ्रामक शब्दों का खेल है। इसका उद्देश्य एक त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया को छिपाना है, जो मतदाताओं को गलत घोषणा करने के लिए मजबूर करती है। रमेश ने आरोप लगाया कि मतदाताओं से ऐसी घोषणा पर हस्ताक्षर कराने के बाद, आयोग अब उन्हें कानूनी परिणामों से बचाने की पेशकश कर रहा है।रमेश ने कहा कि यह दर्शाता है कि पूरी एसआईआर प्रक्रिया पर खराब तरीके से विचार किया गया है। उन्होंने दावा किया कि एसआईआर को बहिष्करण के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पहले मतदाताओं को हटाता है, और फिर उन्हें नए मतदाताओं के रूप में दोबारा शामिल होने के लिए आवेदन करने को कहता है। उन्होंने कहा कि कोई भी क्षति नियंत्रण इस मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया को ठीक नहीं कर सकता।कांग्रेस नेता ने बताया कि महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईसीआई को पत्र लिखकर तर्क दिया था कि फॉर्म-6 का इस तरह उपयोग नहीं किया जा सकता। उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ के समक्ष चल रहे एक मामले का भी उल्लेख किया। अदालत ने ईसीआई द्वारा दिए गए तर्क पर सवाल उठाया है, खासकर क्योंकि यह अनुपस्थित और स्थानांतरित मतदाताओं को छोड़ देता है। रमेश ने मांग की कि विशेष गहन पुनरीक्षण को तुरंत रोका जाए।

सोशल मीडिया पर नहीं, संसद में आइए: एसआईआर और ईवीएम पर हो जाए आर-पार की बहस, राहुल गांधी को सीतारमण की दो-टूक

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एसआईआर और ईवीएम के मुद्दे पर संसद में बहस करने की चुनौती दी है। मंगलवार देर रात उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सरकार विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन की कार्यवाही चलने भी नहीं देता।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को एसआईआर और ईवीएम के मुद्दे पर संसद में खुली बहस करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को सोशल मीडिया पर बयानबाजी और चुनौती देने के बजाय संसद में आकर अपनी बात रखनी चाहिए। सीतारमण ने यह भी याद दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही इन मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की बात कह चुके हैं।निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहस के लिए जगह चुनने की चुनौती दे रहे हैं, जबकि बहस के लिए संसद से बेहतर जगह और क्या हो सकती है? राहुल गांधी खुद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। ऐसे में उन्हें सोशल मीडिया पर चुनौती देने के बजाय सदन में चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। वित्त मंत्री ने कहा कि अमित शाह ने एक दिन पहले ही स्ट्रक्चयानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और श्वङ्करू पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की पेशकश



की थी। अगर राहुल गांधी बहस को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें अपने तथ्य और सबूत लेकर सदन में आना चाहिए। साथ ही दूसरों की बात भी धैर्य से सुननी चाहिए।संसद से विपक्ष के वॉकआउट पर उठाए सवाल-सीतारमण ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब भी सरकार उनके लगाए आरोपों का जवाब देने लगती है, तब वे सदन से बाहर चले जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब राहुल गांधी दूसरे पक्ष की बात सुनने के लिए सदन में रुकते ही नहीं हैं, तो फिर बहस की इच्छा जताने का क्या मतलब है? कार्यवाही में बाधा डालते हैं। इसके चलते कई बार पूरे दिन की कार्यवाही बिना किसी कामकाज के खत्म हो जाती है। अगर विपक्ष सच में मुद्दों पर चर्चा चाहता है तो उसे पहले संसद को ठीक से चलने देना चाहिए।खड़गे के घर मॉक पार्लियामेंट पर भी तंज-वित्त मंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हाल ही में आयोजित मॉक पार्लियामेंट को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस कार्यक्रम को मॉक पार्लियामेंट बताया, वह असल में संसद का मजाक उड़ाने जैसा था। सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी को इस कार्यक्रम के लिए समय और उत्साह मिल गया

संपादकीय Editorial

Questions Remain Unanswered

The Election Commission's 248-page affidavit filed with the Supreme Court leaves many questions unanswered. The 14 objections raised by two Election Commissioners—Sukhbir Singh Sandhu and Vivek Joshi—in an investigative report by the "Indian Express" have not been dismissed. Only partial and incomplete responses have been provided. The Election Commission has not yet refuted those reports. The Election Commission's clarification on the crucial Form 6 appears to be "fake." The Commission's response is that no changes were made to Form 6. A separate declaration form was added to the Special Intensive Review (SIR). Displaying it alongside the online form could have created the "sense of a change." The two were kept together to complete the application with a single OTP and e-signature. On October 21, the Commission decided to keep the online application in two parts. The Commission clarified that all three orders in the SIR were issued with the unanimous consent of the Chief Election Commissioner and the two Commissioners. The question is: why did the commissioners file objections over a 10-month period? Why did they label the changes to Form 6 as "illegal" and "unauthorized"? Since an Election Commission press note stated that the changes to Form 6 had the approval of the Supreme Court, but were rejected by a judicial bench, the question remains: on whose orders was the change made? Was there a unanimous agreement among the three commissioners? Over 1.6 million Form 7 applications were submitted in West Bengal, seeking deletion or deletion of voters' names. The affidavit stated that this was done at the office of the Chief Electoral Officer (CEO) of Bengal. Is this possible? How and where did the CEO select those 1.6 million people? Was he offered any "financial inducement"? Applications for deletion of voters' names on such a large scale are impossible without "directives from above." Furthermore, the glaring errors and discrepancies uncovered during the SIR suggest that the Election Commission operates blindly and with its mind shut.

In Uttar Pradesh, the names of over 300,000 voters have been made public, exposing the Commission's incompetence. A single name has been included in the list with 315 or 420 entries. A single name has been entered more than 1,300 times. SP President Akhilesh Yadav complained about these unforgivable errors in February 2026. Thankfully, the Election Commission acknowledged them after eight months, and the process of "purification" is now underway. Uttar Pradesh CEO Navdeep Rinwa has apologized for some other discrepancies and linguistic errors. The Election Commission has come to some sense! However, the questions and objections regarding the Election Commission and the SIR remain unresolved and are now pending before the Supreme Court. On Tuesday, October 27th, the court granted the petitioners 10 days to respond to the Commission's affidavit. The next date is November 17th. The court's decision, its outcome, whether the disenfranchised voters will be restored, and the future of the SIR remain uncertain. However, the Election Commission's unmasking of the voting rights has left countless Indians disillusioned. The Commission's image has also been tarnished. The SIR campaign, launched for the first time, has raised the question: in states where millions of voters were deleted, elections were held.

Some waste is so useful that cleaning is essential just to preserve it.

Diwali cleaning holds great significance in every home. This is the time of year when attention is paid to household problems that have been overlooked throughout the year. My wife announced in the morning that this time the house would be thoroughly cleaned. There was determination in the announcement. The action plan was ready. The goal was clear. Only who would do the work was not decided. The task was decided automatically. I was present in the house. Cleaning began in the house. Diwali cleaning means that things that had been lying in their place all year are suddenly declared in their wrong place. A revolutionary change is seen in the household's organization. Things that were useful become useless. What was useless becomes emotional, and the man who used to sit comfortably at home all year suddenly becomes the most useful person. Regarding Diwali cleaning, the Gujri Guru from my village has a different opinion: "I believe it's not an ancient Indian tradition of cleaning the house, but of keeping the husband busy. History doesn't reveal its inventor. It's possible that there was a husband who, one day around Diwali, told his wife that he had no work today. That day may have given birth to Diwali cleaning."

The house is cleaned on Diwali to attract Goddess Lakshmi. But the biggest side effect of this cleaning is that before Lakshmi arrives, the man in the house has exhausted all his capital, energy, patience, and self-respect. Even a husband with limited experience in house cleaning realizes that Diwali cleaning is done every year and garbage is removed every year. He also realizes that some waste is so useful that it cannot be removed. Cleaning is needed only to preserve it."

This campaign When the husband climbs on the table to reach the fan, he feels at the heights of his life. Standing below, his wife gives instructions, and the husband thinks that if every work in the country were inspected with such diligence, the pace of development would accelerate. Diwali Cleaning - In the name of Diwali cleaning, the first store in my house was opened. The store housed development plans from the past several years. There were broken chairs, defunct radios, useless wires, old calendars, empty boxes, and some items whose potential for use was visible only to the person who refused to throw them away. There was so much stuff there that if a thief accidentally entered, he would ask for directions and get out instead of stealing. But my wife was convinced that everything was useful.

I asked, "Why is all this junk?" My wife replied, "It might be useful someday." This is the most successful principle in our home. What isn't useful today might be useful tomorrow. There's no need to decide when tomorrow will come. Because of this principle, space in the house was exhausted, but possibilities never ended.

I wanted to take out a broken chair. My wife stopped me. "Let it be. I'll have the carpenter fix it." I asked, "When?" He said, "When I have time." The chair was put back. Sending work to the future is also a kind of action. It doesn't cause any inconvenience in the present, and the future has no representative to complain. The next item was an old recorder. It had been out of order for years. I said, "Let's throw it away." My wife said, "This is a memento of your father."The recorder was saved. A broken vase was found. That was also saved. An old sari was found. That was also saved. Keys were found in a box. No one knew which lock they belonged to. Yet they were kept safely. In the first hour of cleaning, I realized that there was no shortage of trash in the house, but there was a lack of courage to declare it trash.Links to position, prestige, and old relationships - We respect the position, prestige, and old relationships more than the objects themselves. How useful something is is a secondary question. First, we consider who owns it, who gave it to them, and whose feelings might be hurt by removing it. I noticed that in the name of cleaning the house, items were being moved from one room to another. What was useless in the living room became useful in the store. What was useless in the store was kept safe on the roof. I said to my wife, "Are we cleaning or doing an internal tourism of items?" She said, "You do your work." I did mine. By noon, I had reached many parts of the house I hadn't visited in years. There was dust, cobwebs, and things I hadn't even known existed. I realized that a home is like a country. There are some areas where the government doesn't pay attention for years.Diwali cleaning is a sudden administrative action in those areas. But even after action, the system doesn't change. Climbing the table to reach the fan, I felt the heights of my life. My wife was standing below, giving instructions. I thought, if every task in the country was inspected with such urgency, the pace of development could accelerate.Nothing in the house is useless - Gradually, I understood that nothing in the house is useless. Everything has a history. Only the husband's history is such that the wife can bring it back to the present. While cleaning, I found an old shirt. I said, "Throw it away." My wife said, "That was your favorite shirt." I said, "It's not there anymore." "But it's nice." I looked at the shirt. It looked older than me. His buttons were different colors. An old, crumpled train ticket was found in his pocket. His wife, looking at the ticket, asked, "Where is this from?"

I said, "I don't remember." His wife replied, "You don't remember anything." I thought, if a man remembered everything, it would be difficult to live in the house. A man doesn't have memory problems until the house is cleaned. The biggest problem with cleaning is the stuff that isn't used. Used items have proven their usefulness, but useless things present an emotional argument. The old recorder says, "I am a memento of your father." The broken toy says, "I am your child's childhood." The old saree says, "I am a memory of your wedding."

During cleaning, one room of the house becomes a temporary storage for garbage. The stuff to be thrown out is first placed in another room. Then it is decided to look at it later. "Looking later" means that it will be kept safe until Diwali next year. This cycle of cleaning has been going on in our house for years. Every year, some items are taken out, some are taken back in. Instead of the house getting cleaner, the items change their location.

There's also a social aspect to Diwali cleaning. In preparation for welcoming Goddess Lakshmi, a man tries to outdo his neighbor. Finally, the house is clean. The walls shine. The floor is illuminated. Old items are arranged in a new way. The wife is satisfied.

The house is filled with the atmosphere of Diwali. The husband sits tired in a corner. The wife says, "The house looks so nice now!" The husband looks at the house. "It really does look nice." Then he looks at his hands. After cleaning, they too look like old things. The husband asks, "Is there anything left to do?" The wife says, "No, I'll just clean the ceiling tomorrow." The husband remains silent.

The house is cleaned on Diwali to welcome Goddess Lakshmi. But the biggest side effect of this cleaning is that even before Lakshmi arrives, the man of the house has exhausted all his capital, energy, patience, and self-respect. The husband's experience with housecleaning may be limited, but by Diwali, he certainly understands that cleaning is done every year, and garbage is removed every year. He also realizes that some waste is so useful that it cannot be removed. Cleaning is necessary only to preserve it.

Politics and Policy: Several IAS officers will be promoted on January 1, 2027

Several IAS officers in Madhya Pradesh will be promoted on January 1, 2027. Meanwhile, changes are being made to the districts under the charge of ministers. Issues related to housing occupation and the functioning of municipal corporation officials in Indore are also being discussed. Several IAS officers in Madhya Pradesh are set to be promoted on January 1, 2027. Three officers from the 2003 batch, Sanjay Goyal, Nishant Warvade, and Dhyaneshwar Patil, will be promoted from Secretary to Principal Secretary. Sanjay Goyal is currently the Secretary of the School Education Department, and Nishant is the Secretary of the Farmers Welfare and Agriculture Department, while Dhyaneshwar Patil is the Development Commissioner of the Special Economic Zone in Mumbai on deputation. Similarly, approximately 24 officers from the 2011 batch will be promoted to the Super Time rank. They will become Secretaries or Divisional Commissioners. Many of these officers are well-known, some holding the position of Collector. Additionally, eight officers from the 2022 batch will be promoted to the Senior Grade. Preparations to Change Ministers' Districts - Following a review of the state BJP organization and the government's performance, news is now spreading rapidly that the districts under the charge of Madhya Pradesh ministers will be changed. In this crucial review meeting between the government and the organization.

धनतेरस से बड़ी दिवाली तक... मुरादाबाद के बाजारों में ई-रिक्शा की नो एंट्री, पैदल खरीदारी करेंगे लोग



मुरादाबाद में धनतेरस से बड़ी दिवाली तक बाजारों में ई-रिक्शा के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। धनतेरस से बड़ी दिवाली तक ई-रिक्शा प्रतिबंधित।पुलिस और व्यापारी संगठनों ने मिलकर लिया निर्णय। बाजारों में भीड़ व जाम से निपटने का उपाय। त्योहार पर बाजारों में बढ़ती भीड़ और जाम की समस्या से निपटने के लिए यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

धनतेरस, छोटी दिवाली और बड़ी दिवाली पर शहर के प्रमुख बाजारों में तीन दिन ई-रिक्शा की नो एंट्री रहेगी। इन दिनों ग्राहकों को बाजार में पैदल ही खरीदारी करनी होगी। मंगलवार को सदर कोतवाली में पुलिस और व्यापारी संगठनों के बीच हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया।बैठक में संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल जानी और प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता ने कहा कि त्योहार पर बाजारों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने से आवागमन प्रभावित होता है। ऐसे में तीनों दिन प्रमुख बाजारों में ई-रिक्शा का संचालन पूरी तरह बंद रखा जाएगा। व्यापारियों से भी अपील की गई कि वे दुकानों का सामान सड़क पर फैलाकर न रखें, जिससे ग्राहकों को पैदल चलने में परेशानी न हो और बाजार में आवागमन सुचारू बना रहे। व्यापारी नेताओं ने पुलिस प्रशासन से यह भी मांग की कि व्यवस्था बनाने के नाम पर व्यापारियों का किसी तरह उत्पीड़न न किया जाए। व्यापारी हमेशा पुलिस और प्रशासन का सहयोग करते आए हैं और आगे भी करते रहेंगे। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने व्यापारियों से त्योहार पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। बाजार गंज सर्राफा कमेटी के अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, मूलचंद चौहान, सरदार गुरप्रीत बेदी, विशाल अग्रवाल आदि रहे।

दिवाली पर सेहत से खिलवाड़! एक्सपायरी सामग्री और जहरीले रंगों से बना रहे थे मिठाई, फैक्ट्री में रेंगते मिले चूहे



खाद्य सुरक्षा विभाग ने मुरादाबाद में मिठाई की दुकानों पर गंभीर अनियमितताएं पाईं, जिनमें एक्सपायरी सामग्री, अखाद्य रंग और चूहों की गंदगी शामिल है।एक्सपायरी सामग्री और अखाद्य रंगों का प्रयोग।मिठाई इकाइयों में चूहों की गंदगी और अस्वच्छता। तीन प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित, एक बंद।शहर और आसपास के क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में मिठाई बनाने और बेचने वाले प्रतिष्ठानों में ऐसी गंभीर लापरवाही मिली है, जो लोगों की सेहत के लिए खतरा बन सकती है।

कहीं एक्सपायरी सामग्री से मिठाई तैयार की जा रही थी तो कहीं अखाद्य रंगों का इस्तेमाल हो रहा था। निर्माण इकाइयों में चूहों की गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियां भी मिलीं। विभाग ने तीन प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की है।

ढकिया, डिलारी के पास स्थित हुकूमत मिल्क केक की रसगुल्ला निर्माण इकाई में खाद्य पदार्थ असुरक्षित परिस्थितियों में तैयार किए जा रहे थे। जांच के दौरान खाद्य सामग्री संदूषित अवस्था में बिखरी मिली। साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा के मानकों की अनदेखी पर विभाग ने इकाई का खाद्य लाइसेंस निलंबित कर दिया।

इसी तरह कोहिनूर तिराहे के पास स्थित मदनी स्वीट्स में जांच के दौरान एक्सपायरी खाद्य सामग्री का इस्तेमाल होता मिला। परिसर में चूहों की गंदगी थी और मिठाइयों में अखाद्य रंगों का प्रयोग किया जा रहा था। जल निकासी की व्यवस्था भी खराब मिली।इन गंभीर अनियमितताओं के चलते प्रतिष्ठान का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। वहीं, बड़ी सब्जी मंडी के पास स्थित बीना मिष्ठान भंडार बिना खाद्य लाइसेंस के संचालित पाया गया। यहां गंदगी और चूहों का प्रकोप भी मिला। विभाग ने प्रतिष्ठान का कारोबार बंद करा दिया।इसके अलावा कासगंज के पवन स्वीट्स में भी गंदगी और अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण होने पर कार्रवाई की गई। खाद्य प्रतिष्ठानों में मिल रही इन खामियों ने विभागीय निगरानी और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

त्योहार पर मिठाई खरीदने वाले उपभोक्ताओं को भी सतर्क रहने की जरूरत है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा द्वितीय राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ की टीम ने कई जगह छापामारी की थी। जिसमें यह गड़बड़ी मिली है। इन सभी के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। पेट खराब करेगी एक्सपायर सामग्री से बनी मिठाई- फिजिशियन डॉ. सौभाग्य मिश्रा ने बताया कि त्योहार पर मिठाई खरीदने में सावधानी जरूरी है। एक्सपायर सामग्री से बनी मिठाई का सेवन करने से पेट खराब होने, फूड प्वाइजनिंग का अंदेशा बना रहता है। खानपान में सावधानी बरतनी जरूरी है। अगर उल्टी-दस्त हो जाएं तो चिकित्सक से संपर्क करें।

बेकाबू पिकअप का कहर, सड़क किनारे खेल रहे 6 मासूमों को रौंदा, दो मासूमों की मौत, 4 गंभीर



मुंढापांडे के मुड़िया भाईपुर गांव में तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़े ठेले में मारी टक्कर, हादसे में चार अन्य घायल, महिला भी शामिल; चालक और वाहन पुलिस की हिरासत में मुरादाबाद के मुंढापांडे में बेकाबू बोलेरो पिकअप ने पकौड़ी के ठेले में टक्कर मार दी।

हादसे में दो बच्चों की मौत और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप ने ऐसा कहर बरपाया कि दो परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। सड़क किनारे खड़े पकौड़ी के ठेले में बेकाबू वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी।

इस दौरान ठेले के पास खेल रहे बच्चे उसकी चपेट में आ गए। हादसे में दो मासूमों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला भी शामिल है। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने बोलेरो और उसके चालक को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।

ठेले के पास खेल रहे बच्चों को रौंदा- यह दर्दनाक हादसा मुंढापांडे थाना क्षेत्र के मुड़िया भाईपुर गांव में मंगलवार शाम करीब पांच बजे हुआ। जानकारी के मुताबिक, दूसरी दिशा से तेज रफ्तार में आ रही बोलेरो पिकअप अचानक अनियंत्रित हो गई। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क किनारे खड़े पकौड़ी के ठेले में जोरदार टक्कर मार दी। उस वक्त ठेले के आसपास कुछ बच्चे खेल रहे थे, जो वाहन की चपेट में आकर घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बोलेरो की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को बचाने में जुट गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

अस्पताल में दो बच्चों ने तोड़ा दम, चार अन्य घायल-हादसे की जानकारी मिलते ही मुंढापांडे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी (टीएमयू) अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने घायलों का उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर रूप से घायल दो बच्चों को बचाया नहीं जा सका। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हादसे में चार अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें एक महिला भी शामिल है। घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। कुछ घायलों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। वहीं, दो बच्चियों का भी इलाज किया जा रहा है। दो मासूमों की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक छा गया।

हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश-स्थानीय ग्रामीण अरविंद यादव के मुताबिक, हादसा ग्राम पंचायत मुंडिया भाईपुर के पोस्ट सखड़ा खास क्षेत्र में हुआ। बोलेरो पिकअप ने सड़क किनारे खेल रहे बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में छह बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें से दो की मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। लोगों ने लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बोलेरो और चालक पुलिस की हिरासत में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मंगलवार शाम करीब पांच बजे मुड़िया भाईपुर गांव में दूसरी दिशा से आ रही बोलेरो सड़क किनारे खड़े ठेले से टकरा गई थी। इस दौरान पास में खेल रहे बच्चे वाहन की चपेट में आ गए। हादसे में चार बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें से दो की उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों की मदद से बोलेरो और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी चालक के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश में किसानों की भूमि का विवरण पंजीकरण से जुड़ेगा, जान लें धान खरीद के नए नियम

उत्तर प्रदेश में अब किसानों की फार्मर आईडी के आधार पर धान की खरीद होगी, जिसमें उनकी सभी भूमियों का विवरण पंजीकरण से जोड़ा जाएगा। फार्मर आईडी के आधार पर होगी धान खरीद। किसानों की भूमि का विवरण पंजीकरण से जुड़ेगा। सत्यापन के बाद ही धान की खरीद सुनिश्चित होगी।उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव अनिल कुमार के निर्देश पर भारत सरकार की एग्री स्टैक योजना के अंतर्गत प्रदेश में तैयार की गई किसानों की फार्मर आईडी के आधार पर धान की खरीद की जाएगी। इसके लिए किसानों की फार्मर आईडी में दर्ज सभी भूमियों का विवरण धान खरीद के पंजीकरण से जोड़ा जाएगाविपणन विभाग के अनुसार, फार्मर आईडी में दर्ज भूमि पर क्रॉप सर्वे के माध्यम से प्राप्त फसल का विवरण पंजीकरण में शामिल किया जाएगा। यदि क्रॉप सर्वे में किसी भूमि पर धान या अन्य फसल का विवरण दर्ज नहीं है अथवा कोई फसल प्रदर्शित नहीं हो रही है तो किसान को स्वयं धान की फसल का चयन करने का विकल्प दिया गया है। इससे किसान अपनी वास्तविक फसल का विवरण पंजीकरण में दर्ज कर सकेंगे।भूमि का विवरण पंजीकरण से जुड़ेगा इसके बाद दर्ज किए गए फसल संबंधी विवरण का सत्यापन कराया जाएगा। सत्यापन की जिम्मेदारी तहसील प्रशासन के अधिकारियों को सौंपी गई है। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संबंधित विवरण के आधार पर धान खरीद की जाएगी।विपणन निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने किसानों से अपील की है कि वे अपना धान सरकारी धान क्रय केंद्रों पर ही बेचें। उन्होंने कहा कि क्रय केंद्रों पर किसानों को शासन की ओर से निर्धारित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी तथा धान बिक्री के दौरान किसी भी किसान को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

नौकरी और शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, ब्लैकमेल कर कराया गर्भपात; पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

मुरादाबाद में युवती को नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म करने, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और जबरन गर्भपात कराने के मामले में पुलिस ने आरोपी अनुभव भटनागर समेत 3 लोगों के खिलाफ स्नङ्कदर्ज की है।युवती को कोल्डड्रिंक में नशा देकर युवक ने दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो बनाकर आरोपित ने शादी का झांसा देकर उसका काफी दिनों तक शोषण किया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपित समेत तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी युवती को मझोला पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वर्ष 2023 में मुलाकात खुशहालपुर निवासी अनुभव भटनागर से बुद्धि विहार स्थित जिम में हुई थी। आरोपित ने अच्छी कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसी बहाने एक दिन खुलशहालपुर चौकी क्षेत्र स्थित फार्महाउस में ले जाकर कोल्डड्रिंक में नशा देकर दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो भी बना ली। इसके बाद वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर शोषण किया। शादी का झांसा देकर अपने परिवार वालों से भी मिलवाया। कई बार अपने घर ले जाकर भी शारीरिक संबंध बनाए। जब भी शादी के लिए कहती आरोपित टालमटोल कर देता। शादी के लिए दबाव बनाया तो शादी करने से इन्कार कर दिया। 13 सितंबर 2026 को अपना अलग कैरियर बनाने के लिए मुरादाबाद से देहरादून चली गई और वहां हास्टल में रहने लगी। आरोपित 26 सितंबर को आरोपित देहरादून में उसके हास्टल में पहुंचा। फिर वीडियो डिलीट करने की बात कहकर एक होटल में ले जाकर उसके साथ फिर से शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन वीडियो डिलीट नहीं की। सुबह होने पर आरोपित छोड़कर चला गया। इसके बाद वह गर्भवती हो गई और वर्तमान में डेढ़ माह की गर्भवती है। आरोपित अनुभव गर्भपात कराने के लिए दबाव बना रहा है। इससे पहले आरोपित पांच माह का गर्भ एक बार गिरवा चुका है। इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर आरोपित अनुभव भटनागर, सलोनी यादव और उसके भाई कुशाग्र यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। जांच कर बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

महाराजा अग्रसेन कॉलेज में अंतर-महाविद्यालयी क्रिकेट का भव्य आगाज़, MJPRU फाइनल की ओर

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली ।(पं सत्यम शर्मा) महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालयी क्रिकेट (पुरुष) प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि कैंट विधायक संजीव अग्रवाल, प्रबंध समिति अध्यक्ष अनिल कुमार अग्रवाल, महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, निदेशक डॉ. प्रवीन अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने दीप प्रज्वलन, गुब्बारे और शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर की। ?मुख्य अतिथि संजीव अग्रवाल ने कहा कि खेल व्यक्तित्व निर्माण और अनुशासन का सर्वोत्तम माध्यम हैं। वहीं अध्यक्ष अनिल अग्रवाल व महामंत्री शशि भूषण अग्रवाल ने खिलाड़ियों में खेल भावना और नेतृत्व क्षमता का संचार किया। क्रीड़ा सचिव गिरीश चंद्र अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया और क्रीड़ाधिकारी प्रफुल्ल पाठक ने प्रतियोगिता की रूपरेखा रखी।मैदान का रोमांच-पहला मुकाबला- दास कॉलेज (बदायूं) ने 102 रन बनाए और बरेली कॉलेज को 101 रनों पर रोककर 1 रन से रोमांचक जीत दर्ज की।

दूसरा मुकाबला- एस.एस. कॉलेज (शाहजहांपुर) ने 163/3 का मजबूत स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में गंगा शील महाविद्यालय 53 रनों पर सिमट गया। दास कॉलेज के 118 रनों के लक्ष्य को एमजेपीआरयू. की टीम ने 4 विकेट शेष रहते हासिल कर मैच अपने नाम किया। मैच में निर्णायक की भूमिका अंकित कुमार, जितेंद्र शाह व मुकेश कुमार ने निभाई। मंच संचालन डॉ. रेशु जौहरी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. विपुल मेहरोत्रा, डॉ. अरविंद शर्मा, संचित कक्कड़, मयंक शर्मा सहित क्रीड़ा समिति का प्रमुख योगदान रहा।

बरेली में जुटेगा कुक्कुट उद्योग, तैयारियों को लेकर अपर निदेशक ने कसी 14 अफसरों की कमर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

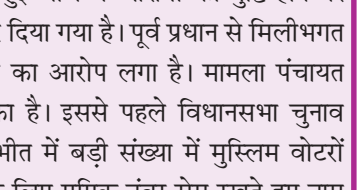


बरेली।(पं सत्यम शर्मा) आगामी 18 नवंबर को बरेली में आयोजित होने वाले भव्य पोल्ट्री कॉन्क्लेव एवं कुक्कुट निवेश सम्मेलन-2026 की तैयारियों को लेकर पशुपालन विभाग एक्शन मोड में आ गया है। बुधवार को अपर निदेशक ग्रेड-2, डॉ. मदन पाल सिंह की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल समीक्षा बैठक हुई, जिसमें आयोजन समिति के सभी 14 नामित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से सम्मेलन और ऑपर्चुनिटी कॉम्प्लेक्स के बेहतर संचालन की रणनीति तैयार की गई। डॉ. मदन पाल सिंह ने सीवीओ डॉ. मनमोहन पाण्डेय, संयुक्त निदेशक डॉ. राकेश कुमार गंगवार, डॉ. प्रीति अरोरा सहित सभी अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए आपसी तालमेल से काम करने के निर्देश दिए, ताकि यह आयोजन ऐतिहासिक बन सके। प्रशासन ने बरेली मंडल के सभी कुक्कुट पालकों और उद्यमियों से अपील की है कि वे 18 नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस कॉन्क्लेव का लाभ उठाएं।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अंत्योदय कार्ड धारकों के लिए 6 से 30 नवंबर तक बंटेगा फ्री राशन



बरेली।(पं सत्यम शर्मा) अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के लिए नवंबर के मुफ्त राशन वितरण का ऐलान हो गया है। 6 नवंबर से 30 नवंबर तक दुकान खुलने का समय- सुबह 8-00 से दोपहर 12-00 बजे तक एवं दोपहर 2-00 से शाम 6-00 बजे तक ?अंत्योदय कार्डधारक- प्रति कार्ड 35 किग्रा खाद्यान्न 21 किग्रा गेहूं + 14 किग्रा चावल पात्र गृहस्थी कार्डधारक- प्रति यूनिट 5 किग्रा खाद्यान्न 3 किग्रा गेहूं + 2 किग्रा चावल जिन उपभोक्ताओं का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण नहीं हो पाता, उन्हें 30 नवंबर को मोबाइल ह्यक्क वेरिफिकेशन के जरिए राशन दिया जाएगा। सभी कार्डधारक समय रहते अपने कोटेदार से संपर्क कर राशन अवश्य प्राप्त करें।

वोटर लिस्ट से मुस्लिम के बाद हिंदू वोटरों के नाम काटने की पुष्टि, बीएलओ सस्पेंड



बरेली।(पं सत्यम शर्मा) । वोटर लिस्ट से नाम काटने जोड़ने के खेल का एक और खुलासा बरेली में हुआ है। विपक्षी पार्टियां मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटने और उनके एपिक नंबर के साथ नाम से छेड़छा का आरोप लगाया था। यहां 26 हिंदू वोटरों के नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए। बीएलओ नफीस मोहम्मद खां ने सांप्रदायिक द्वेष के चलते किया। प्रधान और ग्रामीणों की शिकायत पर हुई जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर बीएलओ को निलंबित कर दिया गया है। पूर्व प्रधान से मिलीभगत कर वोटरों के नाम काटने का आरोप लगा है। मामला पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट का है। इससे पहले विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट से पीलीभीत में बड़ी संख्या में मुस्लिम वोटरों को मतदान से दूर रखने के लिए एपिक नंबर सेम रखते हुए नाम बदल देने का आरोप कांग्रेस ने लगाए थे। वहां भी जांच में पुष्टि के बाद कई अधिकारियों पर ऐक्शन लिया गया है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और संशोधन का मिलेगा मौका, डीएम ने जारी किए निर्देश

बरेली।(पं सत्यम शर्मा) जिले में पंचायत चुनाव की तैयारियों



के बीच मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, संशोधन कराने और अपात्र मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए लोगों को मौका मिलेगा। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद भी निर्वाचन संबंधी नोटिस जारी होने से पहले तक आवेदन किए जा सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सभी एसडीएम और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

75 लाख के पुलिस ने लौटाए 374 चोरी व गुमशुदा फोन, मालिकों के खिले चेहरे

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(पं सत्यम शर्मा) । पुलिस को गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत, पुलिस ने सिर्फ अक्टूबर 2026 में करीब 75 लाख रुपये की कीमत के 374 मोबाइल फोन बरामद कर बुधवार को पुलिसलाइन के रवींद्रालय में एसपी सिटी चिराग जैन द्वारा मालिकों को सौंप दिए गए ।

यह सफलता जनपद की साइबर टीमों और सर्विलांस सेल द्वारा भारत सरकार के CEIR पोर्टल और आधुनिक सर्विलांस तकनीक के सटीक इस्तेमाल से हासिल हुई।

100% रिकवरी करने वाली बहेड़ी, बिथरी चैनपुर, कोतवाली, इज्जतनगर समेत 23 थानों की साइबर टीमों को 1,000 नकद व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस साल जनवरी से अक्टूबर 2026 तक बरेली पुलिस कुल 3,880 मोबाइल फोन बरामद कर चुकी है, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 7 करोड़ 76 लाख रुपये है। गुमशुदा फोन वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने बरेली पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की।

जनता दर्शन में पेट्रोल की बोतल लेकर पहुंचा युवक, डीएम ने तत्काल दिलाए 23 हजार रुपये

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली।(पं सत्यम शर्मा) । जिला अधिकारी के जनता दर्शन में उस समय हड़कंप मच गया, जब मीरगंज थाना क्षेत्र के परोरा गांव निवासी महेंद्र पेट्रोल की बोतल लेकर पहुंच गया। महेंद्र लंबे समय से बकाया भुगतान न मिलने के कारण परेशान था। उसकी समस्या सुनने के बाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे राहत दिलाई।

महेंद्र ने एक गोशाला में हरे चारे की सप्लाई की थी। इसके एवज में उसके 22,050 रुपये बकाया थे, लेकिन लंबे समय से भुगतान नहीं हो रहा था। लगातार चक्कर लगाने के बावजूद रकम न मिलने से वह आर्थिक तंगी और परेशानी से जूझ रहा था।

इसी से परेशान होकर वह पेट्रोल की बोतल लेकर जिलाधिकारी के जनता दर्शन में पहुंचा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने नजारत से 23,000 रुपये का भुगतान कराने की व्यवस्था कराई। इससे परेशान युवक को तत्काल आर्थिक राहत मिली। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने महेंद्र को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में भी पहल की। उन्होंने सेमीखेड़ा चीनी मिल के जीएम को महेंद्र को संविदा पर नौकरी देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

फिजियोथेरेपिस्ट महिला ने फंदा लगाकर दी जान, जमीन को लेकर थी परेशान विवाहिता

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(पं सत्यम शर्मा) । पति और दो साल का बेटा बरामदे में सो रहे थे। फिजियोथेरेपिस्ट महिला घर के कमरे में अकेली थी। रात करीब साढ़े 12 बजे अचानक बेटा जागा तो पति की नींद खुल गई। वह कमरे में पहुंचा तो पत्नी को दुपट्टे के सहारे पंखे के कुंडे से लटका देखकर उसके होश उड़ गए। घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पति के मुताबिक, पत्नी जमीन को लेकर काफी परेशान रहती थी। उसे चिंता थी कि परिवार के लोग उसके नाम जमीन नहीं करेंगे तो वह अपने बच्चे की परवरिश कैसे करेगी। घटना बारादरी थाना क्षेत्र के राजीव नगर की है। यहां रहने वाले विकास की 35 वर्षीय फिजियोथेरेपिस्ट पत्नी शारदा देवी ने मंगलवार देर रात करीब साढ़े 12 बजे कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय विकास अपने दो साल के बेटे के साथ बरामदे में खटिया डालकर सो रहा था। शारदा कमरे में अकेली थी। रात में हुई इस घटना की किसी को भनक तक नहीं लगी।

पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद विकास ने बताया कि रात में उनका दो साल का बेटा अचानक जाग गया। इसके बाद उसकी भी नींद खुल गई। उसे बेचैनी हुई तो वह कमरे में पत्नी को देखने पहुंचा। वहां शारदा को फंदे पर लटका देखकर उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत परिवार के लोगों को जानकारी दी।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में घर पर लोगों की भीड़ जुट गई।

विकास ने बताया कि शारदा को इस बात की चिंता रहती थी कि परिवार के लोग उसके नाम जमीन नहीं करेंगे। इसी बात को लेकर वह परेशान रहती थी। उसे यह भी डर था कि अगर उसके नाम जमीन नहीं हुई तो वह अपने बच्चे की परवरिश कैसे करेगी। पति ने जमीन को लेकर चल रही इसी चिंता को पत्नी की मौत की वजह बताया है। बारादरी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तानी मुक्केबाज को चुनौती देंगे बरेली के अदनान,छह नवंबर को होगा जबरदस्त मुकाबला

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली।(पं सत्यम शर्मा) । बरेली के अदनान अहमद अब दुबई में अपनी ताकत और मुक्केबाजी का दम दिखाएंगे। छह नवंबर को पर्ल जुमेराह में उनका मुकाबला पाकिस्तानी मुक्केबाज अबू बकर शेख से होगा। अदनान अपने कोच के साथ दुबई पहुंच चुके हैं। इंटरनेट मीडिया पर अबू बकर की ओर से मिली चुनौती स्वीकार करने के बाद इस मुकाबले को लेकर शहर में भी उत्सुकता बनी हुई है। अदनान अहमद विकास भवन से सांख्यिकी अधिकारी पद से सेवानिवृत्त सलमान जमीर उर्फ चांद मियां के छोटे बेटे हैं। उन्होंने हार्टमैन कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद गोवा में बीएससी होटल मैनेजमेंट में दाखिला लिया। पढ़ाई में टॉपर रहने पर उन्हें गोवा के पांच सितारा होटल ग्रैंड हयात में नौकरी मिल गई। वर्ष 2022 में कोरोना के दौरान घर लौटने के बाद अदनान ने बॉडी बिल्डिंग, बॉक्सिंग और स्टंट के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखानी शुरू की। उन्होंने नैनीताल और गुरुग्राम में आयोजित मुकाबलों में हिस्सा लिया। इसके बाद वर्ष 2025 में मुंबई में हुए बैटल ग्राउंड मुकाबले में भी प्रतिभाग किया। यहां उनका सामना राजा यादव और अंकुर जैसे चर्चित इन्फ्लुएंसर से हुआ था।

आंसू नहीं, पसीने बहाए, अब ऐसा ही नेतृत्व चाहिए, होर्डिंग से कांग्रेस ने 2027 के लिए दिया संदेश

होर्डिंग पर लिखे नारे ने राजनीतिक चर्चाओं को नया विषय दे दिया है। इसमें लिखा है, आंसू नहीं, पसीने बहाए, अब ऐसा ही नेतृत्व चाहिए। इस संदेश के जरिए राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर समर्थन जताया गया है। इसे एक खास राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।यूपी विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है, मगर जिले में राजनीतिक संदेशों के जरिए 2027 की सियासत की आहट सुनाई देने लगी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर वाली एक होर्डिंग इन दिनों चर्चा का केंद्र बनी हुई है। इसमें राहुल गांधी संविधान की किताब थामे नजर आ रहे हैं। उनके साथ सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और अमेठी के सांसद किशोरी लाल शर्मा की तस्वीरें भी लगाई गई हैं। होर्डिंग पर लिखे नारे ने राजनीतिक चर्चाओं को नया विषय दे दिया है। इसमें लिखा है, आंसू नहीं, पसीने बहाए, अब ऐसा ही नेतृत्व चाहिए। इस संदेश के जरिए राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर समर्थन जताया गया है। संविधान की किताब के साथ उनकी तस्वीर को भी खास राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।अमेठी में गांधी परिवार का पुराना राजनीतिक जुड़ाव रहा है। ऐसे में राहुल गांधी के साथ सोनिया और प्रियंका गांधी की तस्वीरों के शामिल होने से होर्डिंग को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।राजनीतिक जानकार इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, होर्डिंग किसने लगवाई और इसके पीछे किसकी पहल है, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

ऑनलाइन गेम के नाम पर ठगी करने वाले छह आरोपी गिरफ्तार, 4.97 लाख नकदी बरामद

20 मोबाइल, 44 डेबिट कार्ड, 25 पासबुक और फर्जी दस्तावेज मिले, मुकदमा दर्ज

@ क्यूँ न लिखूँ सच



भुता।(शेर सिंह) ऑनलाइन गेम के जरिए लोगों को लालच देकर लाखों रुपये की ठगी करने और फर्जी दस्तावेजों के सहारे पहचान छिपाने वाले गिरोह का भुता पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर खटेली गांव से निकलकर अटकोना पुलिया के पास छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 4,97,800 रुपये नकद समेत बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, डेबिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बृजेश, हरीश सिंह, समेर, आकाश, विपुल कुमार और पिंटू निवासी गांव खटेली थाना भुता के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान 20 मोबाइल फोन, 25 बैंक पासबुक, 44 डेबिट कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक वोटर आईडी, पांच पैन कार्ड, सात आधार कार्ड, दो बैंक स्टेटमेंट, छह पीली धातु के बिस्किट, एक थंब स्कैनर, एक एमक्यूआर मशीन और जमीन संबंधी 18 दस्तावेज बरामद हुए हैं।

पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड तैयार कराकर अपनी पहचान छिपाते थे। इसके बाद मोबाइल फोन के माध्यम से अलग-अलग ऑनलाइन गेम डाउनलोड कर लोगों को लालच देकर अपने जाल में फंसाते और ठगी करते थे। आरोपियों ने बताया कि इस नेटवर्क को दिल्ली के करावल नगर निवासी धीरज तोमर संचालित करता है। उसके संपर्क में हजारों लोग बताए गए हैं। नेटवर्क के जरिए उन्हें डिजिटल कॉइन उपलब्ध कराए जाते थे, जिनका इस्तेमाल लोगों को ऑनलाइन गेम के प्रति आकर्षित करने में किया जाता था।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सभी छह को जेल भेज दिया है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है।

भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन के विरुद्ध प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के प्रति जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से लोकायुक्त प्रशासन की समिति ने अधिकारियों के साथ की बैठक

@ क्यूँ न लिखूँ सच



लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त व्यवस्था के माध्यम से भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया एवं अधिकारिता की दी गई जानकारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत जनमानस को भ्रष्टाचार एवं कुप्रशासन के विरुद्ध जागरूक करने तथा प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के संबंध में जानकारी देने के उद्देश्य से मुरादाबाद शहर स्थित सर्किट हाउस सभागार में लोकायुक्त प्रशासन, उत्तर प्रदेश द्वारा गठित समिति ने अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की।

संयुक्त सचिव श्री राजेश कुमार एवं समीक्षा अधिकारी श्री अश्विनी पाठक के नेतृत्व में आयोजित बैठक में लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त व्यवस्था की कार्यप्रणाली, अधिकारिता तथा भ्रष्टाचार एवं कुशासन से संबंधित शिकायतों को दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त व्यवस्था का उद्देश्य लोकसेवकों के विरुद्ध भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग एवं कुशासन से संबंधित प्राप्त शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। इसके माध्यम से सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाता है।

समिति द्वारा अवगत कराया गया कि लोकायुक्त प्रशासन के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना आवश्यक है। शिकायत के साथ निर्धारित शपथपत्र एवं संबंधित अभिलेख संलग्न किए जाने होते हैं। शिकायत प्रस्तुत करने की निर्धारित प्रक्रिया एवं शुल्क के संबंध में भी जानकारी दी गई। साथ ही शिकायत में संबंधित लोकसेवक का नाम, पदनाम, शिकायत के तथ्य, घटना का विवरण तथा उपलब्ध साक्ष्यों का स्पष्ट उल्लेख करने पर जोर दिया गया।

अधिकारियों को बताया गया कि भ्रष्टाचार अथवा कुप्रशासन से संबंधित किसी भी मामले की जानकारी होने पर निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से लोकायुक्त प्रशासन के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की जा सकती है। शिकायतकर्ता को अपना पूरा नाम, पता एवं संपर्क विवरण अंकित करना चाहिए, ताकि शिकायत के परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई में सुविधा हो सके।बैठक का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोकायुक्त व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ आमजन तक यह संदेश पहुंचाना रहा कि भ्रष्टाचार एवं कुशासन के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने के लिए एक प्रभावी संस्थागत व्यवस्था उपलब्ध है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रतिबद्ध है तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

समिति ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं तथा आमजन को उनके अधिकारों एवं शिकायत निवारण की उपलब्ध व्यवस्थाओं के प्रति जागरूक करें।

बैठक के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा वाजपेई जिला विद्यालय निरीक्षक ऋतु तोमर , जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र राय के साथ-साथ अन्य अधिकारी गण एव विभिन्न विकास खण्डों से निवर्तमान प्रधान/ प्रशासक गण मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों की समस्याओं को लेकर भेजा सीएम को ज्ञापन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिलारी हि दै आचार्य वाणी। स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ की बैठक में कार्यरत संविदा और आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की गई। गांधी पार्क में हुई बैठक में प्रदेश प्रमुख महासचिव राजेंद्र सहदेव ने कहा कि नगर पंचायतों, पालिका परिषद और नगर निगमों में कार्यरत संविदा एवं आउटसोर्स सफाई कर्मचारी समस्याओं से जूझ रहे हैं जबकि उनका नगरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में विशेष योगदान है उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होना चाहिए। बैठक में उनकी बात का सभी ने समर्थन किया। मंडल उपाध्यक्ष गजराम सिंह वाल्मीकि ने कहा कि संविदा सफाई कर्मियों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की जरूरत है क्योंकि उनके परिवार समस्याओं का सामना कर रहे हैं इसलिए हमारा संगठन उनके हितों में संघर्ष कर रहा है। बैठक में नगर अध्यक्ष सुरेश, युवा नेता कपिलराज सिंह, रितिक कुमार, जीतू, विक्की उर्फ विकास वाल्मीकि, सोनू रत्नाकर, राजीव सिंह, शंभू नाथ, अमरदीप आदि ने भाग लिया। बैठक के उपरांत सभी कार्यकर्ता तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और उन्हें मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा है संविदा सफाई कर्मी 2006 से निरंतर सेवा दे रहे हैं उन्हें नियमित पदों पर समायोजित कर वेतन वृद्धि की जाए, नवंबर माह से ही बढ़ा हुआ मानदेय दिलाया जाए। प्रदेश की बढ़ती जनसंख्या तथा नगरीय सीमाओं के विस्तार के दृष्टिगत सफाई व्यवस्था सुचारू करने के लिए पूरे राज्य में तीन लाख नए स्थाई सफाई कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए, समान कार्य हेतु समान वेतन के अंतर्गत सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाए, सफाई कर्मचारियों को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए, अनुसूचित जाति के कुल आरक्षण में से 50त्न हिस्सा वाल्मीकि समाज के सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक उत्थान हेतु दिया जाए, कैशलेस इलाज कराया जाए। दीपावली से पूर्व इन मांगों को पूरा किया जाए ताकि सफाई कर्मचारियों के घरों में दीपावली की खुशी और बढ़ सके। ज्ञापन पर प्रदेश प्रमुख महासचिव राजेन्द्र सहदेव और मंडल उपाध्यक्ष गजराम सिंह वाल्मीकि आदि के हस्ताक्षर हैं।

नवाचारी शिक्षण पद्धतियों एवं प्रभावी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों के साथ संवाद सत्र आयोजित



जनपद में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को और अधिक प्रभावी बनाने तथा नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जनपद के समस्त विकास खण्डों से चयनित शिक्षकों के साथ विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में संवाद सत्र आयोजित किया गया।

संवाद सत्र में शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में अपनाई जा रही प्रभावी शिक्षण पद्धतियों, शिक्षण-अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) के उपयोग तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और शैक्षिक स्तर में सुधार के लिए किए जा रहे

विभिन्न नवाचारों का विवरण वन-पेजर के माध्यम से प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार रचनात्मक एवं गतिविधि आधारित शिक्षण विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की कक्षा में सहभागिता और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों के साथ विस्तार से संवाद करते हुए उनके शिक्षण अनुभवों, विद्यालयों में किए जा रहे

नवाचारों तथा शिक्षण कार्य के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों के सुझावों एवं अनुभवों को गंभीरता से सुना और उनके द्वारा किए जा रहे सकारात्मक एवं नवाचारी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और आवश्यकताओं के अनुरूप सरल, रोचक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण विधियों को अपनाएं तथा एक-दूसरे के अच्छे प्रयोगों और अनुभवों से भी सीखें।

संवाद के दौरान विद्यार्थियों में स्वतंत्र रूप से कार्य करने की क्षमता विकसित करने, स्व-अध्ययन को प्रोत्साहित करने तथा नियमित पुनरावृत्ति के माध्यम से सीखी गई विषयवस्तु को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही प्रत्येक कालांश के लिए सुनियोजित एवं संरचित शिक्षण-अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) का उपयोग, विद्यार्थियों को स्वतंत्र अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए रीड अलॉन्ग ऐप का प्रयोग, शिक्षण प्रक्रिया में अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता तथा सकारात्मक प्रोत्साहन के माध्यम से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षकों के नवाचारी प्रयासों को सराहनीय बताते हुए ऐसे प्रभावी प्रयोगों को अन्य विद्यालयों तक पहुंचाने तथा उनके व्यापक उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि जनपद के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी शिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

संवाद सत्र में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अमित सिंह सहित जनपद के विभिन्न विकास खण्डों से चयनित शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को ले गया युवक

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि तीन नवंबर की सुबह नौ बजे उसकी चौदह वर्षीय बेटी को मोहल्ले के ही सौरभ अपने साथ बहला फुसला कर ले गया है।

बेटी को बहलाफुसला कर ले जाने का आरोप

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि एक नवंबर की सुबह नौ बजे उसकी सोलह वर्षीय बेटी को नोएडा के छपरौली का रहने वाला गोविंद नामक युवक अपने साथ बहला फुसलाकर ले गया है खोजबीन करने पर उसका पता नहीं चल सका है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध शराब के साथ पकड़ा

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । पुलिस ने एक व्यक्ति को देसी शराब के बाईस पौवों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उप निरीक्षक राकेश कुमार ने कोतवाली में लिखाई रिपोर्ट में कहा है कि वह क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। नगलिया जट की ओर गए तो वहां पर एक व्यक्ति संदिग्ध दिखाई दिया जिसके हाथ में एक थैला था। पकड़कर जब उसकी तलाशी ली गई तब उसके पास से अवैध देशी बरामद हुई। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम कौशल निवासी मुड़िया राजा बताया।

छह सौ रुपया प्रति कुंतल घोषित हो गन्ना मूल्य, भाकियू का ज्ञापन

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । भाकियू असली अराजनीतिक संगठन ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश की राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित कर गन्ना संबंधी



समस्याओं का समाधान कराने की मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा है कि वर्तमान पेराई सत्र को शुरू हुए एक सप्ताह बीत चुका है परंतु अभी तक सरकार द्वारा गन्ना मूल्य की घोषणा नहीं की गई है पिछली बार ?400 प्रति कुंतल था इस बार लागत बढ़ी है इसलिए ?600 प्रति कुंतल गन्ना मुल्य की घोषणा की जाए। ज्ञापन पर राष्ट्रीय महासचिव चौधरी महक सिंह, प्रदेश अध्यक्ष युवा ऋषभ चौधरी आदि के हस्ताक्षर हैं।

देहरादून में भीषण सड़क हादसा, सहारनपुर के चार लोगों की मौत, कार के ऊपर पलट गया तेज रफ्तार कंटेनर

सहारनपुर के गोकुल धाम कॉलोनी निवासी विश्वेश कपूर अपने परिवार के साथ छोटे भाई के घर देहरादून जा रहे थे। देहरादून में कंटेनर उनकी कार के ऊपर पलट गया। विश्वेश, उनकी मां, पत्नी और चालक की मौत हो गई। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।देहरादून में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में सहारनपुर के चार लोगों की जान चली गई। यह हादसा तब हुआ, जब एक तेज रफ्तार कंटेनर कार के ऊपर पलट गया, जिससे कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में विश्वेश कपूर, उनकी मां किरण कपूर, पत्नी निशा कपूर और चालक नीरज शामिल हैं। छह साल के मासूम बेटे माहेर की जान बच गई। जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग सहारनपुर से देहरादून की ओर आ रहे थे। यह परिवार सहारनपुर के कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र में गोकुल धाम कॉलोनी निवासी विश्वेश कपूर का था, जो अपनी पत्नी, मां और बेटे के साथ छोटे भाई दीपेश कपूर के घर देहरादून जा रहे थे। परिजनों के मुताबिक, विश्वेश के छोटे भाई की पत्नी गर्भवती हैं और इसी के चलते परिवार देहरादून जा रहा था। कार बुधवार शाम करीब चार बजे घर से निकली थी।इस भीषण हादसे में विश्वेश कपूर (38), उनकी पत्नी निशा कपूर (38), किरण कपूर (63) और कार चालक नीरज की मौत हो गई। हादसे के दौरान कार में सवार छह वर्षीय माहेर कपूर को बचा लिया गया है। मगर वह घायल है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गर्भवती बहू का हाल जानने के लिए देहरादून जा रहा था परिवार- कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र की गोकुल एनक्लेव निवासी किरण का परिवार देहरादून में रह रहे छोटे बेटे की गर्भवती बहू का हाल जानने के लिए निकला था। देहरादून में प्रवेश करते ही उनकी कार पर कंटेनर पलट गया। इसमें किरण के साथ ही बेटे विश्वेश कपूर, बहू निशा और कार चालक नीरज की मौत हो गई, जबकि पौत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। तीन दिन पहले ही विश्वेश ने दिवाली के लिए घर को लड़ियों से सजाया था और आतिशबाजी भी की थी। कोतवाली सदर बाजार क्षेत्र के जीपीओ रोड स्थित गोकुल एनक्लेव कॉलोनी निवासी विश्वेश कपूर सेल टैक्स के अधिवक्ता थे। कोर्ट रोड पर उनका कार्यालय है। उनका छह वर्षीय बेटा माहेर है। विश्वेश दो भाइयों में बड़े थे। उनका छोटा भाई दीपेश कपूर देहरादून में रहता है और बिल्डर है। विश्वेश कपूर का परिवार वर्ष 2004 में मिशन कंपाउंड में रहता था।

सिमरिया डकैती कांड: डेढ़ माह बाद हाईकोर्ट से एक आरोपी को मिली जमानत खौफनाक वारदात से दहला था कोंच

@ क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच (जालौन) नीरज कुमार - डकैती... कानून की नजर में आतंक का दूसरा नाम। ऐसा ही दिल दहला देने वाला मंजर 04/05 सितंबर 2026 की रात ग्राम सिमरिया में देखने को मिला, जब हथियारबंद डकैतों ने 70 वर्षीय बुजुर्ग रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी रघुवीर अहिरवार के घर को निशाना बनाया।

बताया जाता है कि रात करीब 1:15 बजे बुजुर्ग बाथरूम के लिए उठा, जैसे ही दरवाजा खोला, पहले से घात लगाए बैठे बदमाश तमंचा लेकर घर में घुस गए। पूरे परिवार को एक कमरे में बंधक बनाकर चांदी के जेवरात, सिक्के और नगदी लूटकर अंधेरे में फरार हो गए। मामले में थाना कोतवाली कोंच पर मु0अ0सं0 188/2026 धारा 310(2) डकैती व धारा 317(3) बीएनएस के तहत 3 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। कुल 5 मुल्जिम, 4 जेल में, 1 फरार - विवेचना में कुल 5 मुल्जिमों के नाम आए। 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जबकि एक आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण (सरेंडर) किया था, जो 18 सितंबर 2026 से जिला कारागार उरई में बंद था। 1 मुल्जिम अभी भी फरार बताया जा रहा है। रिमांड के दौरान एक आरोपी लक्ष्मीकांत की निशानदेही पर अधनिर्मित प्लाट से गिट्टी की बोरी में से 06 लच्छा, 04 चांदी के सिक्के, 01 जोड़ी पायल बरामद होना बताया गया। हाईकोर्ट से आरोपी लक्ष्मीकांत की जमानत मंजूर-जिला कोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद परिजनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाईकोर्ट में अधिवक्ता योगेश दत्ता मिश्रा व शिवांगी चतुर्वेदी ने पैरवी की। सभी दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने राहत दी। जमानत प्रार्थना पत्र संख्या - 39455/2026 माननीय न्यायमूर्ति श्री अवनीश सक्सेना की अदालत, आदेश दिनांक - 04 नवंबर 2026 कोर्ट ने आरोपी लक्ष्मीकांत पुत्र ब्रजपाल अहिरवार निवासी पनयारा की जमानत मंजूर कर ली है। अब ट्रायल कोर्ट में जमानतदार दाखिल होने के बाद रिहाई होगी।

कृषक आधुनिक तकनीकी से करें खेती

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जिलाधिकारी अवनीश राय के निर्देशों के क्रम में जनपद में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत 30 नवम्बर 2026 तक जनपद में कुल 105 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसके लिए कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों का निर्धारित रोस्टर जारी किया गया है। अभियान के अंतर्गत 04 नवम्बर 2026 तक जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 21 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

बुधवार को विकास खण्ड आसफपुर के ग्राम गुलड़िया में द्वितीय पाली में खेत बचाओ अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। उप कृषि निदेशक मनोज कुमार ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में संयुक्त कृषि निदेशक, बरेली मण्डल बरेली दुर्विजय सिंह ने प्रतिभाग कर कृषकों को मिनीकिट वितरण, नैनो यूरिया, नैनो डीएपी तथा कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में प्रभारी उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी बिसौली नेत्र पाल एवं सहायक विकास अधिकारी (कृषि) आसफपुर सोनू कुमार उपस्थित रहे। सहायक विकास अधिकारी (कृषि) द्वारा कृषकों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व एवं उसकी प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए पंजीकरण कराने के लिए जागरूक किया गया।

संक्षिप्त समाचार

खोया हुआ मोबाइल पाकर खिल उठे लोगों के चेहरे

जनपद बदायूं में अंकिता शर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण/नगर के पर्यवेक्षण एवं समस्त क्षेत्राधिकारीगण के नेतृत्व में सर्विलांस टीम बदायूँ व विभिन्न थाना पुलिस द्वारा CEIR पोर्टल पर खोये/गिरे मोबाइलों से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों का संज्ञान लेते हुए गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी हेतु संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए अथक प्रयास से विभिन्न कम्पनियों के कुल 112 मल्टीमीडिया मोबाइल फोन अनुमानित कीमत 16,80,000 रुपये बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में बरामद शुदा मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों के सुपुर्द किया गया मोबाइल स्वामियों द्वारा अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ व स्वाट/सर्विलांस टीमों को धन्यवाद प्रकट करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की गई निरीक्षक श्री रविन्द्र सिंह प्रभारी स्वॉट मय टीम निरीक्षक श्री अरिहन्त कुमार सिद्धार्थ प्रभारी सर्विलांस सेल मय टीम





बिखरते परिवारों को एक डोर से बांधने का सहारा बनी बदायूं पुलिस

रिजर्व पुलिस लाईन बदायूं में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र क सहयोग से तथा मौजूद काउंसलर 1. श्री एस डी शर्मा 2. श्री



अशोक खुराना 3.श्री गिरधारी सिंह राठौर 4. श्री शिव स्वरूप गुप्ता 5.श्री ज्वाला प्रसाद गुप्ता एवं पुलिस स्टाफ महिला उप निरीक्षक माया(प्रभारी)महिला हेड कांस्टेबल कुमुद ,कांस्टेबल राखी, कांस्टेबल डौली द्वारा पारिवारिक समस्याओं की कुल 82 फाइलें लगाई गई। जिनमें से 54 फाइलों की काउंसलिंग ,10 फाईल में समझौता ,10 फाईल निरस्त शेष फाइलो में अग्रिम तिथि दी गई एवं उपस्थित पक्षों को सुना गया और उनकी समस्याओं के निवारण का विचार किया गया। समझौता किए गए परिवार को उज्जवल भविष्य की शभकामनाऐं दी गईं।

डिस्ट्रिक्ट 3233G2 ने वैश्विक पटल पर रचा इतिहास: लायन प्रवीण वशिष्ठ को मिले प्रतिष्ठित 'टॉप 25 डिस्ट्रिक्ट' एवं 'फिनिश स्ट्रॉन्ग–मिशन 1.5' अवार्ड

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा/(हाकम सिंह रघुवंशी) लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट 3233त2 ने अपनी शानदार उपलब्धियों के दम पर एक नया स्वर्णिम इतिहास रच दिया है। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (2025-26) पीएमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट ने दो प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान-'टॉप 25 डिस्ट्रिक्ट अवार्ड' और 'फिनिश स्ट्रॉन्ग-मिशन 1.5 अवार्ड' अपने नाम किए हैं। ?दूरदर्शी नेतृत्व और सेवाभाव का प्रतीक- यह ऐतिहासिक उपलब्धि पी एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ के अदम्य संकल्प, बेहतरीन नेतृत्व क्षमता और समाज सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उनके इस उत्कृष्ट मार्गदर्शन के कारण ही डिस्ट्रिक्ट 3233त2 ने वैश्विक पटल पर एक नया गौरवशाली मील का पत्थर स्थापित किया है। ?हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं इस गौरवशाली और ऐतिहासिक सफलता पर मल्टीपल एवं डिस्ट्रिक्ट मल्टीमीडिया प्रभारी एवं प्रादेशिक का.अध्यक्ष मध्य प्रदेश स्वर्णकार समाज कल्याण समिति लायन अरुण कुमार सोनी ने पीएमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ जी को हार्दिक बधाई देते हुए कोटिशः अभिनंदन किया है और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए विशिष्ट एवं आत्मीय मंगलकामनाएं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

पति की मौत के मामले में पुलिस पर गंभीर आरोप, नामजद आरोपियों को छोड़ने का आरोप लगाकर डीआईजी से लगाई न्याय की गुहार

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कोंच (जालौन)। पति की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में अब पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। ग्राम पड़री निवासी प्रीति बरार ने झांसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच किसी अन्य उच्च पुलिस अधिकारी से कराए जाने की मांग की है।

प्रार्थिया के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को उसके पति भूरे बरार को पप्पू पुजारी घर से अपने साथ ले गया था। आरोप है कि इसके बाद गोदाम में बुद्धि अग्रवाल और पप्पू पुजारी ने उनके पति के साथ मारपीट की, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया तथा गला दबाकर हत्या करने के बाद शव को फांसी पर लटका दिया।

घटना के संबंध में 29 अक्टूबर 2026 को थाना कोतवाली कोंच में मुकदमा अपराध संख्या 224/2026 धारा 103(1), 115(2), 352 बीएनएस एवं धारा 3(2)(V) एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया। प्रार्थिया ने डीआईजी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने में रखा, लेकिन एक दिन बाद उन्हें बिना किसी उचित कारण के छोड़ दिया गया।

प्रार्थिया ने पुलिस की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष विवेचना पर संदेह जताया है।

पीड़िता ने मांग की है कि मामले की जांच थाना कोंच की पुलिस से हटाकर किसी निष्पक्ष उच्च पुलिस अधिकारी से कराई जाए, जिससे घटना की वास्तविकता सामने आ सके और पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

अब देखना होगा कि पुलिस के उच्चाधिकारी पीड़िता की शिकायत पर क्या कार्रवाई करते हैं और मामले की निष्पक्ष जांच कब तक सुनिश्चित होती है।

फतेहगंज पश्चिमी में किराए के मकान का ताला तोड़कर चोर सोने, चांदी के जेवरात लेकर हुए फरार।

@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे के मोहल्ला नौंगवा में चोरों ने एक किराए के मकान को बनाया निशाना, चोर मकान का ताला तोड़कर घर में रखे सोने के कुंडल, चांदी की दो जोड़ी जेवरी, कपड़े, बर्तन और अन्य कीमती सामान चुराकर ले गए। घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया गया है। पीडित विशाल पुत्र कैलाश चन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है और वर्तमान में हिमाचल प्रदेश में रहता है। वह दिनांक 17 अक्टूबर 2026 की सुबह लगभग 7:30 बजे अपने किराए के घर लौटा था। जब उसने कमरे का ताला टूटा हुआ देखा, तो उसके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर में रखी चांदी की दो जोड़ी जेवरी, एक जोड़ी कानों के सोने के कुंडल, दो फूल की थाली तथा पहनने व ओढ़ने के कीमती कपड़े चोरी कर ले गए हैं।

पीड़ित ने अपने स्तर पर चोरों की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित का आरोप है कि घटना की रिपोर्ट लिखाने के लिए जब वह थाने गया, तो उसकी कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई और न ही कोई कार्रवाई की गई। इसके बाद उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बरेली को प्रार्थना पत्र भेजकर मामले की गंभीर रिपोर्ट दर्ज करने और चोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराने की गुहार लगाई है।

पुलिस मामले की जांच और कार्रवाई में जुटी है।

जुर्म की दुनिया में उतरी सास: बहू के इलाज में हुई कर्जदार, बन गई चोर; 25 लाख के जेवर बरामद; ऐसे पकड़ी गई



पुलिस पूछताछ में सामने आया कि महिला की बहू के इलाज में काफी पैसा खर्च हो गया था, जिसके लिए उसने लोगों से उधार ले रखा था। कर्ज के दबाव और उसे चुकाने की मजबूरी में महिला ने चोरी का रास्ता चुन लिया। बहू के इलाज का कर्ज चुकाने के लिए एक महिला जुर्म की दुनिया में उतर आई और चोरी की वारदातों को अंजाम देने लगी। थाना सदर बाजार पुलिस ने ज्वैलरी शोरूम में हुई चोरी की बड़ी घटना का खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 25 लाख रुपये कीमत के सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा-एडिशनल डीसीपी सिटी मनोज कुमार ने बताया कि 31 अक्तूबर को सदर के सुल्तानपुरा स्थित सचिन ज्वैलर्स के शोरूम में चोरी की वारदात हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने खुलासे के लिए करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान सामने आया कि गिरफ्तार महिला शकीला, जो कि स्व. अब्दुल की पत्नी है, सुल्तानपुरा स्थित दरगाह पर आती-जाती थी। इसी दौरान उसने ज्वैलरी शोरूम की रेकी की और मौका पाकर चोरी को अंजाम दिया। यह पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई थी।बहू के इलाज का कर्ज बना वजह-पुलिस पूछताछ में सामने आया कि महिला की बहू के इलाज में काफी पैसा खर्च हो गया था, जिसके लिए उसने लोगों से उधार ले रखा था। कर्ज के दबाव और उसे चुकाने की मजबूरी में महिला ने चोरी का रास्ता चुन लिया। पुलिस ने उसके पास से सोने की 16 चूड़ियों समेत अन्य स्थानों से चुराए गए भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात बरामद किए हैं। थाना सदर बाजार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

रोहिलखंड अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष ने गन्ने का मूल्य 500 रुपए और बे मौसम हुई बारिश में किसानों फसलों के नुकसान को लेकर बरेली कमिश्नरी पर दिया ज्ञापन।

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली। बरेली कमिश्नरी पर किसानों की महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख रूप से मुख्य अतिथि चौधरी दिगंबर सिंह युवा प्रदेश अध्यक्ष रहे।

जानकारी के लिए किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह, रोहिलखंड अध्यक्ष चौधरी अरुण सिंह राठी एवं भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक बरेली जिला अध्यक्ष तेजपाल गंगवार और बरेली महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डॉक्टर पूनम गंगवार ने समस्त पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में मौजूद सैकड़ो किसानों के साथ मिलकर बरेली कमिश्नरी पर प्रदर्शन कर अपर मंडल आयुक्त को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रमुखता पर गन्ने का मूल्य 500 रुपए किए जाने एवं बे मौसम बारिश में किसानों का धान की फसल की बर्बादी का उचित मुआवजे दिलाए जाने। बीमा कंपनियों द्वारा किसानों को लंबित बीमा राशि का भुगतान किया जाने और बैंकों द्वारा किसानों का उत्पीड़न बंद किये जाने और तहसीलों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाए जाने एवं अन्य समस्याओं को लेकर बरेली कमिश्नरी पर अपर मंडल आयुक्त को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने वालों में युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह, रोहिलखंड अध्यक्ष चौधरी अरुण सिंह राठी, जिला अध्यक्ष तेजपाल गंगवार, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डॉक्टर पूजा गंगवार, रोहिलखंड उपाध्यक्ष ठाकुर राजन सिंह, युवा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शेखर सिंह, फतेहगंज पश्चिमी नगर अध्यक्ष डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह,सत्येंद्र गंगवार, विजेंद्र गुप्ता, विश्वजीत सिंह, मोनू राठी फुरकान अंसारी, फरीद खान, इमरान अंसारी, फाजिल खान, जिला अध्यक्ष राम लखन यादव, रवि प्रजापति, वीरपाल सिंह, उपदेश, फूल सिंह राजपूत, मीडिया प्रभारी दानिश अख्तर, युवा जिला अध्यक्ष संजीव रस्तोगी, हरिओम शर्मा, जिला अध्यक्ष मनजीत सिंह, रोहिलखंड सचिव डॉ मुदित प्रताप सिंह, नरेश कुमार, राजेंद्र कुमार, सतवीर, चंद्रपाल, धर्मवीर, बाबूराम वर्मा, वीरपाल, मुकेश पांडे अमित रस्तोगी मोहम्मद फारूक कुरैशी उपदेश सिंह हरपाल सिंह यादव आदि बरेली मंडल के सभी जिला अध्यक्ष एवं सभी पदाधिकारी और सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

Not just "Sasural Genda Phool," these are Chhattisgarh's famous folk songs; special songs are for everything from birth to farewell.



Chhattisgarh's folk culture is reflected in the folk songs sung there. Chhattisgarh's music isn't limited to "Sasural Genda Phool." Its folk culture encompasses numerous folk songs and folk music, sung on various occasions. These folk music forms an important part of the local culture. Many unique songs are sung here, from childbirth to marriage, harvests, and festivals. Let's explore the various songs included in Chhattisgarh's folk music. Pandavani - When it comes to Chhattisgarhi music, Pandavani comes first. It narrates stories from the Mahabharata to the tune of the tanpura and khadtal. Pandavani combines songs with drama. It also has two types: the Kapalik style and the Baidesi style. Teejan Bai, known as the pride of Chhattisgarh, sang Pandavani in the Kapalik style. Bharthari - It is primarily sung by women of the Nath sect. These folk songs depict the story of King Bhartrihari's renunciation and Queen Pingala's sacrifice in a very emotional manner. These songs are sung to the tune of the Sarangi or Ektara. Sua Geet - The Sua Geet holds a special place among Chhattisgarh's folk dances and songs, sung exclusively by women. It is sung during the harvest season around Diwali. Women place a basket full of new grains in the middle of the courtyard, place a wooden parrot on top of it, and dance around in a circle, singing the Sua Geet. Sohar Geet - Sohar songs are sung to celebrate the birth of a child. Women visit the home of a newborn baby and, through these songs, bless the child and pray for its well-being. Chandeni - This is a traditional ballad style from Chhattisgarh, narrating the love story of Lorik and Chanda. These songs beautifully express love and separation. Bihav Geet - Bihav Geet are Chhattisgarhi wedding songs. These songs are related to various wedding rituals, such as Haldi, Bhavar, Vidaai, etc. These songs are usually sung by women. They incorporate emotions associated with marriage along with humor.

Everyone makes fun of it, yet Son Papdi finds its way into every home! Why does this delicious sweet become a meme on Diwali?

Son Papdi is the most purchased sweet on Diwali, but people also make fun of it a lot. Diwali is not only a festival of lights but also a festival of sweets. People start exchanging boxes of sweets many days before Diwali. Amidst all this celebration, there is one sweet that is sure to reach every home: Son Papdi.Son Papdi is the most famous Diwali sweet, given most often as a gift, yet it still has a different image in people's minds. People make fun of this sweet, but they also give it to each other as gifts. Let's find out why this is so on Diwali and how its meme culture begins. Why is Son Papdi the most popular Diwali sweet? There are not just one, but many reasons behind this. Other sweets available in the market during Diwali spoil within 2-3 days, but Son Papdi has a very good shelf life. This encourages people to buy it in advance and distribute it to relatives on Diwali. Another reason is its low price. The prices of sweets skyrocket during Diwali. Cashew Katli and mawa sweets become quite expensive. Meanwhile, Son Papdi's price is quite low. There are special offers on it during Diwali, with buy-one-get-one offers. This is also why people prefer to buy Son Papdi to give to office colleagues or relatives. How did this forced sweet come to be? Son Papdi has a very good taste. Its fibrous, melt-in-your-mouth flavor is quite pleasing to the eye. However, it's sold so much during Diwali that its image has become somewhat tarnished. People stop considering anything special when they see it in abundance. This is what has happened with this sweet. Every second person brings a box of Son Papdi on Diwali. When other expensive sweets are available at home or in the market, people rarely ask for Son Papdi. This sweet has become more of a commodity than a mere commodity. Therefore, people start buying it not out of personal preference, but out of a compulsion to gift it to others at a low price. Diwali and Son Papdi Meme Culture - During Diwali, Son Papdi becomes a part of meme culture on the internet. Opening social media reveals memes from around the world, all made to mock Son Papdi. The most famous meme depicts how a box of Son Papdi starts from Gupta Ji's house, passes through Sharma Ji, Verma Ji, and finally ends back at Gupta Ji's house. Another viral meme depicts Kaju Katli as a VIP on Diwali, and Son Papdi as a common man. The internet is rife with similar memes related to Son Papdi.



Overeating during festivals can be costly; try these methods to alleviate stomach problems.

Gastrointestinal problems are natural due to irregular and careless eating habits during festivals. Home remedies can be a more effective and lasting solution to digestive problems than medication. Let's find out. Avoid overeating during festivals, try home remedies. Detox your body, maintain a healthy digestive system and liver—stay energized with water, fruits, vegetables, and green tea. Sweets and snacks prepared during Diwali are delicious, but excessive consumption can cause various health problems. Therefore, a little common sense is essential to avoid any harm to your health. We can address the problems caused by overeating with home remedies. Home remedies act as a form of first aid and easily remove harmful substances from the body. Detox also improves digestion and restores the good gut bacteria, keeping your stomach light. Avoid depletion of nutrients - According to Vaidya Achyut Kumar Tripathi, Member and Guru of Rashtriya Ayurveda Vidyapeeth, dehydration can cause many problems. Not only should you detoxify your body, but you should also avoid depletion of nutrients and water. To detoxify your body, you can drink detox water. Replace regular tea and other beverages with green tea, black tea, or coconut water. Additionally, eat fresh and seasonal fruits, drink plenty of water, and consume soup made from seasonal green vegetables. You can also enjoy smoothies made from seasonal fruits and green vegetables. Eat fresh, light, and easily digestible homemade food. This will detoxify the body and make you feel energetic. A nutrient-rich and hydrated body completely and naturally resets the internal system. It also has a positive effect on the skin. These are also very useful - If there is gas formation or cramps in the stomach or bloating due to overeating, take two to three grams of Hingvastak powder, Shankha Bhasma or Harit powder and consume it with lukewarm water. You can take this two or three times a day. Overeating causes nausea or vomiting. For this, grind a little fennel powder, some sugar candy and two-four small cardamoms and consume half a teaspoon once or twice. It will be very beneficial. If you feel discomfort in the stomach, then roast eight-nine raisins like toast or in a pan, add rock salt and black pepper powder to it and suck them slowly. This will provide a lot of relief. - If you are feeling nervous or uneasy, then take two tablets of Prabhakar Vati twice a day with plain water. You will start getting relief in a short time. If you have food poisoning or are experiencing bloating, you can take 25 milligrams of castor oil mixed with lukewarm milk once or twice a day. To neutralize the effects of harmful substances, take one teaspoon of myrobalan powder with lukewarm water once or twice. This may cause a bowel movement or two, but the toxins accumulated in the stomach will be easily eliminated. Why is detox necessary? During Diwali, various substances enter the body. If these substances remain in the body for a long time, they can be harmful to health. Therefore, it is best to get rid of these harmful substances as soon as possible. Most importantly, detoxing makes you feel alert and fresh.



Sunny Deol's 29-year-old cult film "Udta Teer" inspired him, the film's director reveals.



Director Akash Kaushik, who made his directorial debut with "Udta Teer," said he was inspired by Sunny Deol's "Border." How did Akash Kaushik get the inspiration to make "Udta Teer"? The director is delighted with the love the film has received. "Udta Teer" released in theaters on October 23rd. Akash Kaushik recently made his directorial debut with the Ayushmann Khurrana-starrer "Udta Teer." Released on October 23rd, the film is inspired by patriotic cinema but presents the genre in a completely different and unique way. Inspired by Sunny Deol's "Border," the filmmaker explained that his fondness for patriotic films like "Border" inspired him to imagine a film in which India's neighboring countries chant slogans like "Jai Hind" and "Bharat Mata ki Jai." He also explained how he came up with this unique idea and why he was so excited to bring it to the screen. In an interview, Akash said, "I've always been a fan of patriotic films, and 'Border' is one of my favorites. We've always seen Sunny Paaji and the other heroes say 'Bharat Mata Ki Jai' and 'Jai Hind.' Those moments bring us immense joy." He further added, "Then I thought, 'Could it be possible for our neighboring countries to also say these words?' That's when the idea came to my mind, and I immediately became very excited about it. I knew it was a very unique idea and would work very well on screen." The filmmaker described 'Udta Teer' as a film that doesn't follow any traditional framework because it blends so many different genres. He said, "I'm sure everyone was a little nervous at first, but everyone supported me wholeheartedly. I'm very happy to see the love the film is receiving." I just hope that the producers make a lot of profits and the film continues to receive the same love." "Udta Teer" stars Ayushmann Khurrana, Sara Ali Khan, Rahul Bose, Ram Kapoor, Gulshan Grover, Supriya Pilgaonkar, Brijendra Kala, Sandeep Anand and the late Mukul Dev. The film performed well at the box office.

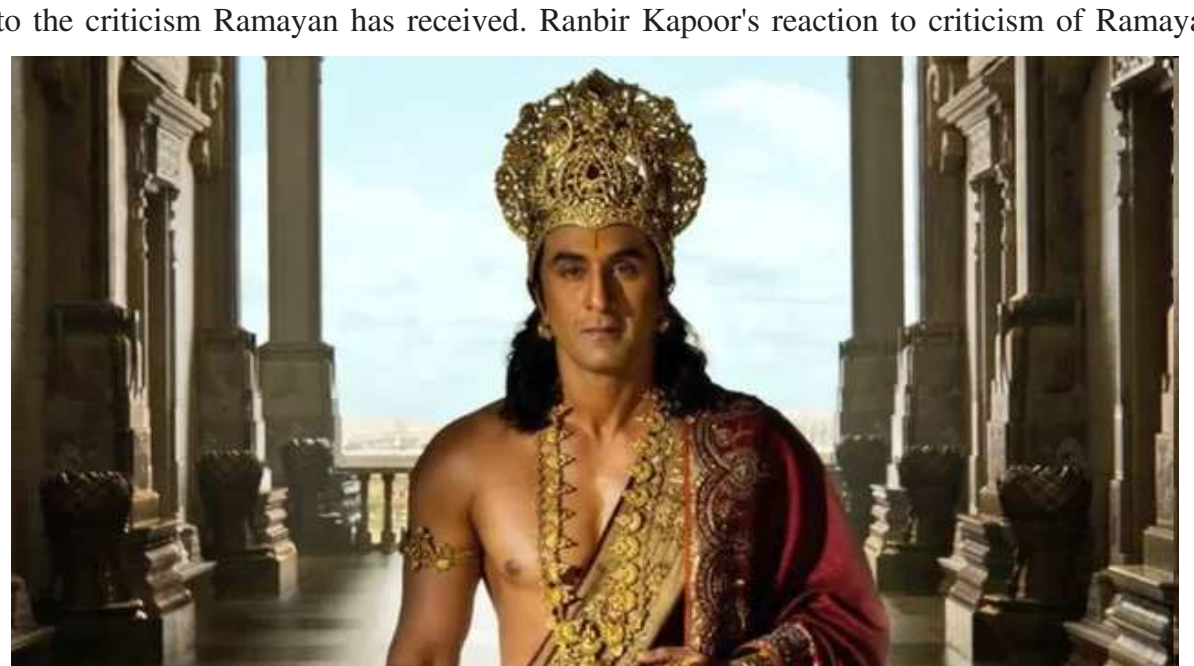
The epic saga of 'Chhathi Maiya' will be shown on OTT. When and where will Sidharth Malhotra's The One stream?



The One, based on a Bihari folk tale, will be streaming on OTT. When will The One, starring Sidharth Malhotra and Tamannaah Bhatia, be streaming on OTT? In today's world, films inspired by folk tales are becoming increasingly popular. Based on this, The One, starring actor Sidharth Malhotra and Tamannaah Bhatia, was released in theaters on September 25th. Inspired by the Bihari folk tale and Chhathi Maiya, The One is now ready to hit OTT shelves. Let's find out when and where the film will be streamed online. When will The One be released on OTT? Despite being inspired by a folk tale, producer Ekta Kapoor's The One received a mixed response from fans, resulting in a mediocre film. Meanwhile, discussions about The One's OTT release have intensified. Based on information provided by the OTT Nights Instagram page, this film starring Sidharth Malhotra and Tamannaah Bhatia will hit the OTT platform on November 20th. However, official confirmation from the makers is still pending. It's worth noting that a deal for the digital rights of "The One" was struck with the popular OTT platform Amazon Prime Video before its theatrical release, and Prime Video's name also appeared as the digital partner in the film's pre-credits scenes. Therefore, if Sidharth Malhotra's "The One" releases on OTT on November 20th, you'll be able to watch it on Prime Video. If you haven't seen the movie yet, you'll be able to enjoy it online after just a few days. The One's commercial performance: While many folk-culture-based films like "Kaantara," "Tumbaad," and "Stree 2" have achieved commercial success at the box office, "The One" lagged behind. The movie's domestic box office collection exceeded 70 crore rupees, and its worldwide earnings reached around 90 crore rupees. Despite the film's budget, it was reported to be 80 crore rupees. Consequently, The One was an average film.

Ranbir Kapoor breaks silence on criticism of the 4000 crore Ramayan, says, "People will say something..."

Actor Ranbir Kapoor has reacted to the criticism Ramayan has received. Ranbir Kapoor's reaction to criticism of Ramayan; Ramayan's director also breaks silence on trolling - The 4000 crore Ramayan is releasing worldwide on November 5th. The 4000 crore Ramayan is hitting theaters on November 5th. The film's previews often spark debate on social media. Some people also criticized the film's songs and VFX. Now, actor Ranbir Kapoor has reacted to the criticism. Ranbir Kapoor plays Lord Ram in the Nitesh Tiwari-directed Ramayan. The actor, who is busy promoting the film, shared his opinion on dealing with trolling at a recent event. Citing an example from an old song, he explained how he reacts to trolling. Ranbir spoke on online trolling - During a recent IIMUN event, Ranbir Kapoor said about criticism, "In today's times, online trolling has its own unique aspect. I believe in this philosophy - 'People will say something, it's their job to say it'. I think this is a great thought to adopt in real life." Ranbir doesn't get bothered by what people say - Ranbir Kapoor further said, "Don't get bothered by what people say. The only people who matter are those who are important to you, who care about your work, your intentions, and your goodness. In reality, that's what matters the most." Director's reaction on Ramayan trolling - Not only Ranbir Kapoor, Ramayan director Nitesh Tiwari has also broken his silence on the criticism. He says, "If your conscience is clear and if our efforts were 100%, then what more do you need? Talking about Ramayan, the first part of the film, which is being made in two parts, will be released worldwide on November 5.



The film stars actors like Ranbir Kapoor, Sai Pallavi, Yash, Rakul Preet Singh, Ravi Dubey, Sunny Deol, Vivek Oberoi, Arun Govil, Lara Dutta in important roles.